

Shri Raghunatha Temple MSS. Library,  
JAMMU

No. २५८-घ

Title भारती पदवाच्यं देवी स्तोत्रम (चिदु)

Author \_\_\_\_\_

Extent १ Age \_\_\_\_\_

Subject स्तोत्रम् : सम्पूर्णम्

नं० ८-घ

भारती पदवाच्यं देवी स्तोत्रम् चिह्न (स्तोत्रम्)

नं० ५८-घ

दीर्घ पत्रम् १ म (सम्पूर्णम्)

१५ म  
दीर्घ



नं० छूट-घ

(स्तोत्रम्) भारतीयवाच्यं देवी स्तोत्रम् (विष्णु)

दीर्घपत्रम् एकम् (सम्पूर्णम्)



नं० ५५८४  
देवी लोकार्पण  
१५ मार्च १९८४  
लोगान्तर - लोकार्पण



जयदेवि जयदेवि जय ज न निशारणे जय ज न निशारणे जय ज न व च के  
 श्वरि स क लो ग म ग ए ॥ जय हि म गिरि कु ल नं दि नि स मु दि त ला व रो य २  
 जय भगवति कामेश्वरि सं त त को रु ण्ये ॥ जय देवि २ ॥ अ परि मि ता मृत  
 सागर विपुल मणि द्वीपे ॥ त य नो य म चि ता मणि धाम नि ध न नी पे ॥ क य पा  
 पर या वि ष्णु त के व ल नि ज रु पे त्रि पु रे जय ज ग दी श्वरि ध त चं द्र क ला पे ॥ २  
 जय देवि ० २ ॥ पर म ४ ॥ कृ पा व र सं भ त पर दे व त रु पे क र वि नि हि त  
 पा शां कु श को सु म श र चा पे ॥ अ णि मा दि म यूर वा लि भि र धि रु द स मी पे  
 स पुरं द र दि वि जा धि प स मु द य दुर वा पे ॥ जय देवि २ ॥ ३ ॥ सिं दूर र सा रु ण रु  
 चि सं दो ह शरी रे सं दानि त कु च गिरि त ट चं द न ध न सा रे ॥ मं द स्मि त म धु  
 रा ध र सुं द र र द ही रे कं द पो रा ति प्रिय सुं द रि सु कु मा रे ॥ जय ० ॥ ४ ॥ क म नी  
 या न न हि म क र क स्तू री तिल के सु र ना री क र चा म र म रु दु ल्ल ल ह ल के ॥  
 क ल सं रु ति म द म व यु त क र्णे य ल क लि के न व मृ ता म णि रं सि त म  
 म णि मु लि के ॥ जय ० ॥ ५ ॥ नि लो ग म मु कु टे म णि नी रा जि त च र णे मि  
 हि रे व म ह रो ज्च ल मं जी रा भ र णे ॥ क वि व र नि क र य धि त को ण त्र य श  
 र णे कू ट त्र य म यि स प्र क टा दि न वा व र णे ॥ जय देवि ० ॥ ६ ॥ स न का दि म ह  
 मु नि ज न स नु त शु भ च रि ते प द प ल्ल व श र णा ग त प रि पा ल न नि र ते ॥  
 दु र्ब गृ ह भ व भं ज नि दू री कृ त दुरि ते गिरि जे म यि क रु णां कुरु गु ण ग ण म  
 णि भ रि ते ॥ जय दे ० ॥ ७ ॥ म धु रा रु ण बिं बा ध र मं द स्मि त व द मे वि पु ला य  
 न न य नो चि त वि क चो य ल क द ने ॥ क वि ता ज न व र दायि नि का मे श्वरि  
 म द ने त्रि पु रे जय ज ग दी श्वरि चं पे क व न स द ने ॥ जय देवि ० ॥ ८ ॥